Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–9209

PAPER–III
HUMAN RIGHTS AND DUTIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

HUMAN RIGHTS AND DUTIES

मानव अधिकार एवं कर्तव्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Cultural relativism in its extreme interpretations may even lead to or justify theories like that on "conflict of civilisations" put forward by S.Huntington. In his opinion, the globalisation of the modern world has given rise to a conflict between the basic cultural systems. The theory of the beginning of an age of irreconcilable battles between the most powerful civilisations does not correspond to reality. It can be rather seen as stated by Al-Hassan bin Talal, as an attempt to correct, create or invent a new arch enemy after the Cold war which could justify huge defence budgets. Cultural diversity and plurality of cultures have to be seen as positive factors leading to intercultural dialogue. In the modern world, cultures are not isolated. They interact peacefully and influence each other. The intercultural dynamics is set in motion by the contemporary process of globalisation which lead, not without tension, to the emergence, consolidation and reformulation of specific cultural and ethical values common to the various cultural areas. Any culture in relation to and comparison with other cultures may find its own idiosyncracies and peculiarities, its strong and its weak points.

सांस्कृतिक सापेक्षवाद की पराकाष्ठ व्याख्या हटिंगटन द्वारा सभ्यताओं के संघर्ष जैसे सिद्धान्तों की ओर अग्रसर कर सकती है या उसे न्यायोचित ठहरा सकती है। उसकी राय में, आधुनिक विश्व के भूमंडलीकरण ने मूलभूत सांस्कृतिक व्यवस्थाओं के बीच संघर्ष को उत्पन्न किया है। सर्वाधिक शक्तिशाली सभ्यताओं के बीच असंधेय युद्ध के युग के प्रारम्भ का सिद्धान्त वास्तविकता के अनुरूप नहीं है। बल्कि जैसा कि अल हसन बिन तलाल कहते हैं, इसे शीत युद्ध के बाद प्रमुख शत्रु को सही सिद्ध करने, सृजित अथवा एक नए शत्रु को ईजाद करने के रूप में देखा जा सकता है, जो रक्षा के विशाल बजट को न्यायोचित ठहरा सके। सांस्कृतिक विविधता और संस्कृतियों की बहुतायता को सकारात्मक कारकों के रूप में देखना पड़ेगा, जो सांस्कृतिक वार्ता की ओर अग्रसर करेंगे। अंतत: आधुनिक विश्व में, संस्कृतियां पृथक-पृथक नहीं हैं। वो एक-दूसरे के साथ शांन्तिपूर्वक अंत:क्रिया करती हैं। अत: सांस्कृतिक गत्यात्मकता को, भूमंडलीकरण की समकालीन प्रक्रिया द्वारा गति प्रदान की गई है। जो, विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में सर्वसामान्य विशिष्ट संस्कृतियों और नैतिक मूल्यों के समाहरण या पुन: रचन की ओर अग्रसर करती है। कोई भी संस्कृति, अन्य संस्कृतियों के सम्बध में और उनके साथ तुलना में, अपनी स्वभावगत विलक्षणताओं और असाधारणताओं को, शक्तिशाली या कमजोर पा सकती है।

1. What is S. Huntington's view on the theory of "conflict of cultures" ?

लेखक के अनुसार ''संस्कृतियों के संघर्ष'' के सिद्धान्त पर एस. हटिंगटन का विचार क्या है ?

2. What according to the author is the relation between cultural relativism and the so called "conflict of culture" theory ?

लेखक के अनुसार, सांस्कृतिक सापेक्षवाद और तथाकयित "संस्कृति का संघर्ष" सिद्धान्त के बीच सम्बन्ध क्या है ?

3. What is the real nature of cultural relativism or plurality of culture ?
सांस्कृतिक सापेक्षवाद और संस्कृतिक की अनेकता की वास्तविक प्रकृति क्या है ?

4. What is the abuse of cultural plurality in the days of globalisation ?
भूमंडलीकरण के दिनों में सांस्कृतिक अनेकता का दुरुपयोग क्या है ?

5. Can globalisation respond favourably to consolidate common cultural values ?

क्या भूमंडलीकरण सर्वसामान्य सांस्कृतिक मूल्यों के समाहरण के प्रति हितकर रूप मे प्रतिक्रिया कर सकता है ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. 'There should be an accountable and contextual application of "Values" in shaping the concept of human rights'- Explain.

"मानवाधिकार की अवधारणा को रूप देने में ' मूल्यों ' का जवाबदेय और संदर्भागत अनुप्रयोग होना चाहिये" – समझाइये।

7. 'Magna Carta' forms the "Philosophy of state obligation" to protect human rights'- Discuss.

'मैगना कार्टा' मानवाधिकारों का संरक्षण करने के लिये राज्य की कर्तव्यता की विचारधारा है। चर्चा कीजिए।

8. Does the 'Universal Declaration of Human Rights, 1948 has a binding nature ? Mention reasons.

क्या मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणा, 1948 की प्रकृति बन्धनकारी है ? कारण बताइऐ।

9. What is difference between the 'Child labour' and 'Child work' ?
''बालश्रम'' और ''बालकार्य'' के मध्य अन्तर कीजिए।

10. What do you mean by 'Sustainable Development' ?
धारणीय (दीर्घीकृत) विकास से आप क्या समझते हैं?

11. Mention the instruments included in the International Bill of Human Rights.
मानवाधिकारों के अंतर्राष्ट्रीय बिल में शामिल किये गये प्रपत्र बताइये।

12. What includes in the 'right to self-determination' ?
'आत्मनिर्णय के अधिकार' में क्या-क्या शामिल है?

13. Name the main organs of the International Labour Organisation.
अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के मुख्य अवयवों के नाम बताइये।

14. Explain the 'difference theory of justice' propounded by John Rawls.
जॉन रॉलस् द्वारा प्रतिपादित 'न्याय के वैभिन्य सिद्धान्त' को स्पष्ट कीजिये।

15. Name the human rights ideals incorporated in the 'Preamble' of the Indian Constitution.
भारतीय संविधान की 'प्रस्तावना' में समाविष्ट मानवाधिकार सम्बद्धित आदर्श बताइये।

16. Mention the problems do exist in the human rights education.
मानवाधिकार शिक्षा में मौजूद समस्यायें बताइये।

17. Define the term 'right'.

"अधिकार" शब्द की परिभाषा दीजिये।

18. Mention the term 'human right' incorporated under the Indian positive law.

भारतीय यथार्थ विधि के अंतर्गत निगमित शब्द "मानव अधिकार" बताइये।

19. Define the term 'torture'.

शब्द 'यातना' (अत्याचार) की परिभाषा दीजिये।

20. What do you mean by the phrase 'Equality before the law' ?

'विधि के समक्ष समानता' के वाक्यांश से आप क्या समझते हैं ?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Discuss the role of "Religion" in shaping the concept of human rights.

मानव अधिकारों की अवधारणा की संरचना में 'धर्म' के योगदान की चर्चा कीजिये।

22. Throw light on the constitution of the "National Human Rights Commission" under the Protection of Human Rights Act, 1993.

मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अन्तर्गत ''राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग'' की रचना पर प्रकाश डालिये।

23. Explain the protections available to the "Prisoners of war" under the International Humanitarian laws.

अन्तर्राष्ट्रीय मानविय विधि के अन्तर्गत 'युद्ध बंदियों' को मिलने वाले संरक्षण को बतायें।

24. "Custodial Torture and Deaths" are Challenges to Human Rights Movement in India" - Explain.

भारत में ''अभिरक्षा दरमियान अत्याचार व मृत्यु'' भारत में मानव अधिकार आन्दोलन के लिए एक चुनौति हैं" समझाइए।

25. How human rights education can be introduced in an effective manner ?

मानवाधिकार शिक्षा को किस तरह प्रभावी तरीके से प्रारम्भ किया जा सकता हैं ?

SECTION - IV

खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the axiom of human rights in detail.

मानव अधिकार की अवधारणा को विस्तार से समझाइये।

OR/अथवा

Discuss the role of the Indian supreme court in ensuring social justice to O.B.C. in institution of Higher and Professional education with reference to difference theory of human rights.

मानवाधिकारों के "अन्तर के सिद्धांत" के संदर्भ में भारतीय उच्चतम न्यायालय द्वारा पिछड़े वर्ग के सामाजिक न्याय निश्चित करने के लिए उच्च व प्रोफेशनल शिक्षा के संदर्भ में प्रदान भूमिका की चर्चा करें।

OR/अथवा

Explain the constitution of European Commission of Human Rights.

युरोपिय मानव अधिकार आयोग की संरचना बतावें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....